जल संकट

जल से ही जीव और जल से ही जीवन है,
जल पर संकट है जल को बचाना है।
जल ढूँढने को आज चलते हैं मीलों हम,
सूख गये स्रोत सारे कहाँ अब जाना है।
जल से ही जीवन बना है जाने सारा जग,
जीवन के लिए अब जल को बचाना है।
जल के आधार यहाँ हरे-भरे जंगल हैं,
भरे रहें जल स्रोत जंगल बचाना है।
वनों का विनाश जल संकट का कारण है,
भरे रहें जल स्रोत वनों को बचाना है।
जनसंख्या बढ़ रही घट रहे वन क्षेत्र,
वन क्षेत्र बढ़ा के जनसंख्या को घटाना है।
दोहन अधिक, यहाँ सीमित हैं जल स्रोत,
एक-एक बूँद को जतन से बचाना है।
वर्षा की बूँद गिरे छत पर वर्षा में,
वर्षा के पानी को भी हमको बचाना है।
जंगलों में जीव दम तोड़ देते जल बिना,
भरे रहें स्रोत ऐसा मन्त्र अपनाना है।
मानव की सोच बस मानव पर केन्द्रित है,
सभी हैं समान ऐसी सोच को बनाना है।
पेय जल मिले हमें झील और नदियों से,
पेय जल कम न हो इनको बचाना है।
पेय जल मिलता है धारों और नौलों से भी,
इनको भी साफ स्वच्छ हमको बनाना है।
आने वाले समय में जल की समस्या होगी,
जतन अभी से करो जल को बचाना है।

मेरा गीत

कल-कल करता पानी
अच्छा लगता है
सूखे नौले सूखे धारे
देख नहीं पाता हूँ मैं
तीतर बोले कोयल बोले
अच्छा लगता है
पशु आवास नष्ट हो गये
देख नहीं पाता हूँ मैं
उन्नत खेती उन्नत फसलें
अच्छा लगता है
मृदा अपरदन बहते खेत
देख नहीं पाता हूँ मैं
हरे भरे सघन जंगल हों
अच्छा लगता है
जंगल जले अमंगल होवे
देख नहीं पाता हूँ मैं
अच्छा लगे दिखे भी अच्छा
यही गीत गाता हूँ मैं।

संपर्क करें:
श्री जमुना प्रसाद तिवारी, जिला अकादमिक समन्वयक , रा.बा.वि.कां., अल्मोड़ा
ग्राम-हाट, मृत्युंजय मन्दिर के बगल में पो.-द्वाराहाट जिला-अल्मोड़ा-263653
उत्तराखण्ड [मो. : 09410304040]

वर्षा रानी

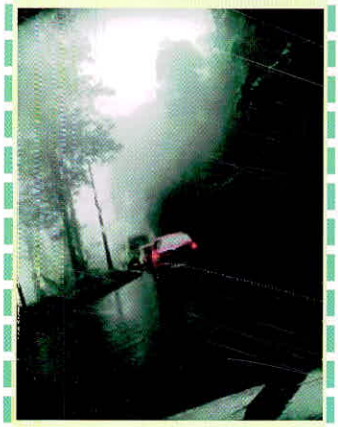

नव अंकुर से मिलने देखो वर्षा रानी आई है
सोलह किये श्रृंगार
हाथ में निर्मलता का हार
मिलने को आतुर है रानी
मन में भरा है प्यार
देखो वर्षा रानी आई है
नव अंकुर से मिलने देखो वर्षा रानी आई है।
सारे नव अंकुर के साथी
दौड़-दौड़ कर आते हैं
खुशी के आँसू देखो भरकर
अंकुर के कान में गाते हैं
देखो! माँ बेटे का प्यार
देखो वर्षा रानी आई है
नव अंकुर से मिलने देखो वर्षा रानी आई है।
वर्षा रानी मिलकर बोली
सींचूँगी तुमको तन-मन से
बना के तुमको राजा एक दिन
दुनियाँ को दिखलाऊंगी
मेरे राज कुंवर को एक दिन, पूजेगा संसार
देखो वर्षा रानी आई है
नव अंकुर से मिलने देखो वर्षा रानी आई है।
बोला अंकुर मैया तेरी देख रहा था राह
दुश्मन को संशय था लेकिन मेरा था विश्वास
आई तू ममता को लेकर
ये मेरे दुश्मन की हार
देखो वर्षा रानी आई है
नव अंकुर से मिलने देखो वर्षा रानी आई है।
वर्षा रानी ने आँचल में नव अंकुर को पाला है
नव अंकुर ने दिखा के साहस
दुनियाँ को सम्भाला है
बोली रानी प्यारे बच्चे सुखी रहे संसार
देखो वर्षा रानी आई है
नव अंकुर से मिलने देखो वर्षा रानी आई है

वर्ग पहेली

सागर एवं महासागर

अं	ह	म्	य	क	क	अ
अ	टा	मध	टि	टि	ट	प्र
र	भू	र्क	या	लां	शां	हि
ब	आ	ड्रि	टि	त	ल	न्द
च	ए	क	ज	का	ला	ख

पहेली : निम्न सारणी में शब्दों को ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर, आड़े-तिरछे (परन्तु लगातार) मिलाकर महासागरों एवं सागरों के नाम ढूंढिए। इसमें 10 सागर-महासागरों के नाम सम्मिलित हैं। अगर आप उपरोक्त पहेली में 10/10 अंक प्राप्त कर सकें तो आप अत्यधिक बुद्धिशाली है। 8 अंक तक प्राप्त करने पर अति बुद्धिवान, 6 अंक तक प्राप्त करने पर बुद्धिमान एवं 4 अंक तक प्राप्त करने पर मध्यम बुद्धिमान एवं दो अंक तक प्राप्त करने पर आपको अपना ज्ञान बढ़ाने की आवश्यकता है।

कृपया उत्तर के लिए पेज नं. 41 पर देखें।

संपर्क करें : **डॉ. रमा मेहता, वैज्ञानिक 'डी'**
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (रा.ज.सं.) रुड़की, (उत्तराखण्ड)

सामान्य ज्ञान

- 'लू' किसे कहते हैं ?
  ग्रीष्म ऋतु में उत्तर-पश्चिम भारत के शुष्क भागों में चलने वाली गर्म एवं शुष्क हवाओं को लू कहते हैं।
- मानसून गर्त क्या है ?
  वर्षा ऋतु में उत्तर-पश्चिमी भारत और पाकिस्तान में उष्ण दाब का क्षेत्र बन जाता है जिसे मानसून गर्त कहते हैं।
- भारत में ज्यादातर वर्षा (करीब 75%) किसकी वजह से होती है ?
  दक्षिण-पश्चिम मानसून
- दक्षिणी पश्चिमी मानसून की समय-अवधि क्या है ?
  जून से सितंबर तक।
- विश्व में सबसे ज्यादा बारिश कहां होती है ?
  मावसिनराम (मेघालय)
- मावसिनराम में कितनी बारिश होती है ?
  करीब 1,141 सेमी.

योगेश चन्द्र जोशी
रूड़की